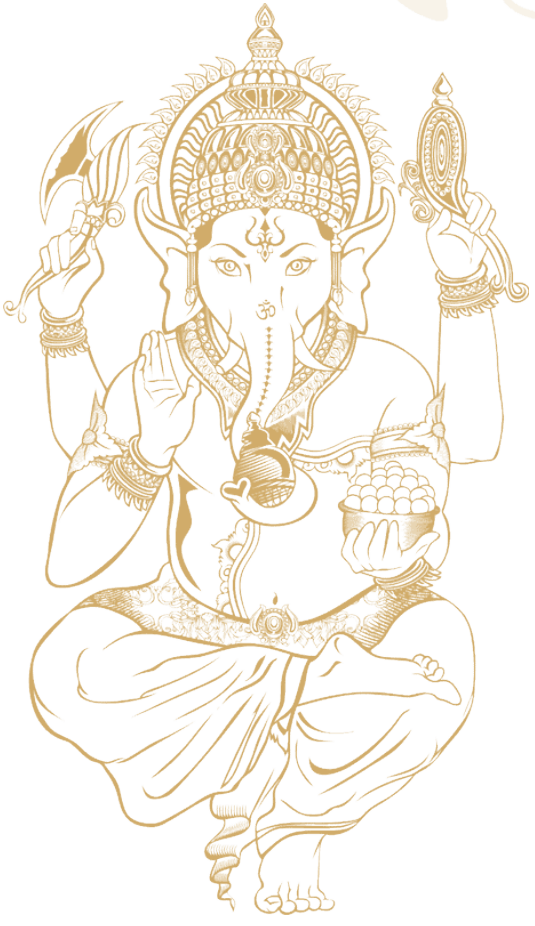

Mr.shikhar

Ms.Riya Gupta

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120433404

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10/06/1996	जन्म तिथि	25/06/2002
सोमवार	दिन	मंगलवार
घंटे 14:14:00	जन्म समय	18:55:00 घंटे
घटी 22:26:12	जन्म समय(घटी)	34:03:47 घटी
India	देश	India
Dehradun	स्थान	Rishikesh
30:19:00 उत्तर	अक्षांश	30:07:00 उत्तर
78:03:00 पूर्व	रेखांश	78:16:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:17:48	स्थानिक संस्कार	-00:16:56 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:15:31	सूर्योदय	05:17:06
19:19:08	सूर्यास्त	19:21:48
23:48:30	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:14

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 13वर्ष 1मा 18दि		21:50:39	कन्या	लग्न	धनु	04:42:24	शुक्र 12वर्ष 11मा 4दि	
शुक्र		25:56:10	वृष	सूर्य	मिथु	09:55:42	चन्द्र	
29/07/2016		19:41:57	मीन	चंद्र	धनु	18:02:48	30/05/2021	
29/07/2036		04:34:46	वृष	मंगल	मिथु	24:26:46	31/05/2031	
शुक्र	28/11/2019	02:28:59	वृष	बुध	वृष	17:52:12	चन्द्र	31/03/2022
सूर्य	28/11/2020	21:50:17	धनु व	गुरु	मिथु	27:51:38	मंगल	30/10/2022
चन्द्र	29/07/2022	26:26:09	वृष व	शुक्र	कर्क	18:35:39	राहु	30/04/2024
मंगल	28/09/2023	12:22:09	मीन	शनि	वृष	26:38:50	गुरु	30/08/2025
राहु	28/09/2026	21:16:54	कन्या	राहु व	वृष	23:57:59	शनि	31/03/2027
गुरु	29/05/2029	21:16:54	मीन	केतु व	वृश्चि	23:57:59	बुध	30/08/2028
शनि	29/07/2032	10:21:28	मक व	हर्ष व	कुंभ	04:44:50	केतु	31/03/2029
बुध	30/05/2035	03:30:03	मक व	नेप व	मक	16:37:38	शुक्र	29/11/2030
केतु	29/07/2036	07:25:36	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	21:54:25	सूर्य	31/05/2031

लग्न-चलित

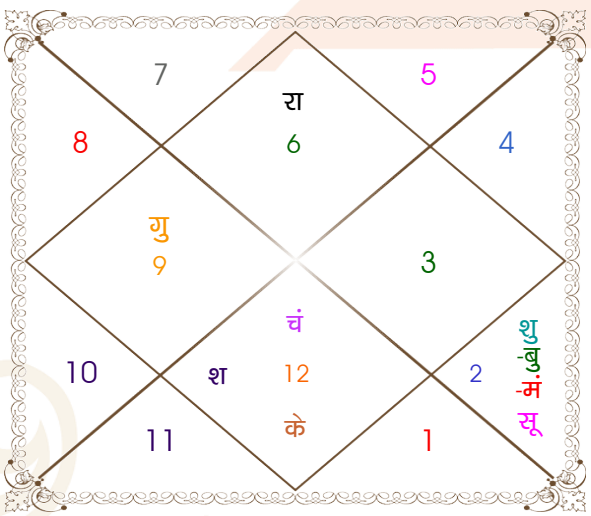

लग्न-चलित

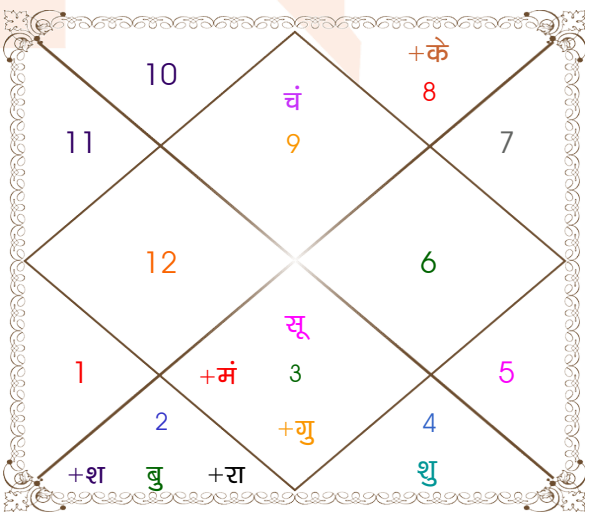

Astrology Naresh noutiyal

Shakambhari devi mandir ladwa kurukshetra haryana

8222825195

pdtnareshnoutiyal93@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	31.50		

डतणैपींत का वर्ग सर्प है तथा डेण्त्पलं ळनचजं का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतणैपींत और डेण्त्पलं ळनचजं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतणैपींत मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

डेण्त्पलं ळनचजं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु डेण्त्पलं ळनचजं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि डतणैपींत कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतणेंपींत तथा डेण्त्पलं ळनचजं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

Astrology Naresh noutiyal
Shakambhari devi mandir ladwa kurukshetra haryana
8222825195
pdtnareshnoutiyal93@gmail.com